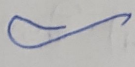


निवेदन

वाडीया का वाड खारिज किया जाना उचित समझते हैं।

अतः वाडीया का वाड प्रस्तुत विद्वा प्र.पत्र के आधार पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फंसल शुमार होकर दर्ज नं० से कम ही दाखिल हफ्तर रहे।



कपड़पुड अधिकारी
फारी

क्र. स	दिनांक आ कार्यवा	नाम केस
--------	------------------	---------

फर्द अहकाम

कान्ता वनाम ओमप्रकाश वर्मा

नाम न्यायालय :- सुप्रीम अदालत फाजी

केस संख्या:- 74/2025/का

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	07.07.2025	यह वाद पत्र वकील श्री विनय कुमार जैन ने पेश किया। वाद पत्र के समर्थन में शपथ पत्र पेश किया। कार्यालय रिपोर्ट ली गई। वाद पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को तलबी जरिये डाक रजिस्टर्ड एडी जारी हो। पत्रावली दिनांक 31.07.2025 को पेश हो। सुप्रीम अदालत फाजी	
	31/7/25	पत्रावली पेश हुई। पक्षकारान वकील उप०। वकील श्री विनय कुमार जैन ने प्रतिवादी सं० ९ की ओर से U.T. दी। पत्रावली वास्ते तलबी / वकालतनामा दिनांक 29/8/25 पेश हो। सुप्रीम अदालत फाजी	कान्ता वनाम 29-8-25
	29/8/25	पत्रावली पेश हुई है पी०अ० अहमद अन्य राज कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पुर्वानुसार दिनांक 25/9/25 को पेश है।	
	25/9/25	पत्रावली पेश हुई। वकील वाडी उप०। वकील वाडी ने बताया कि दिनांक 22/7/25 को वाडीया द्वारा विज्ञा प्र० पत्र प्रस्तुत किया गया था। वाडीया स्वयं उपस्थित हुए थी। जिसकी पहचान वकील वाडी द्वारा की गई थी। लेकिन सहजन सं० आडिशिका दिनांक 31/7/25 पर प्रतिवादी सं० ९ की उा दर्ज कर ही गई। जिसे दुरुस्त किया जाना आवश्यक है। पत्रावली का अवलोकन किया। अवलोकन करने पर आडिशिका दिनांक 31.7.2025 दुरुस्त किया जाना अन्यायोचित समझा है। अतः आडिशिका दिनांक 31/7/2025 में वर्तित U.T. की कार्यवाही मनसुख की जाती है। वाडीया द्वारा पूर्व दिनांक 22/7/2025 को प्रस्तुत विज्ञा प्र० पत्र के आधार पर	

सुप्रीम अदालत
फाजी